अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय सीमा : 3 घंटा | तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2017) | दिनांक 20.12.2017

तृतीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

तेरापंथ का इतिहास – 70

प्र.1 किन्हीं ग्यारह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में दीजिए। 11

आचार्य श्री मघवागणी (किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दें)

(क) मुनि मघवा युवाचार्य बने उस समय जयाचार्य ने किस गीतिका का निर्माण किया और उसमें कितने पद्य हैं?

(ख) जयाचार्य के कहने पर युवाचार्य मघवा ने सुजानगढ़वासियों को कौनसा सूत्र सुनाया?

(ग) सरदारशहर में तेरापंथ के आचार्यों का प्रथम पदार्पण कब हुआ?

(घ) बीकानेर में मघवागणी को अपने उपाश्रय में पधारने की प्रार्थना किसने करवायी?

(ङ) मघवागणी ने सर्वज्ञ की वाणी पर आस्था रखते हुए किस धर्म को सत्य बताया?

(च) मुनि मघवा ने 11 इंच लम्बे व 5 इंच चौड़े पत्र पर कौनसा सूत्र टीका सहित लिखा?

आचार्य श्री माणकगणी (किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें)

(छ) माणकगणी का जन्म कब, और कहाँ हुआ?

(ज) आचार्यश्री माणकगणी ने ''मघवा–सुजश'' का निर्माण कब और कहाँ किया?

(झ) धर्मसंघ में सप्तम आचार्य की घोषणा कब व कहाँ हुई?

(ञ) माणकगणी और डालगणी के अन्तरकाल में कौनसे साधु–साध्वियों की दीक्षा हुई?

(ट) आचार्यश्री माणकगणी के पास अन्तिम चातुर्मास में कितने साधु–साध्वी थे?

आचार्य श्री डालगणी (किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दें)

(ठ) उदयपुर के महाराणा ने मुनि चोथमलजी के लिए क्या आदेश दिया?

(ड) श्रीडालगणी ने अग्रणी बनने के बाद कितने चातुर्मास जयाचार्य के साथ तथा कितने मघवागणी के साथ किए?

(ढ़) मुनि जवाहरलालजी ने पुनः शास्त्रार्थ का आह्वान कहाँ किया? इसके पीछे किसका हाथ था?

(ण) श्रीडालगणी ने साध्वी जेठांजी को महासती संबोधन का सम्मान कब व कहाँ दिया?

(त) डालगणी ने भुज निवासी मुनि प्रेमचन्दजी के मायाचार को देखकर उन्हें कब, कहाँ व क्या समझकर संघ से पृथक किया?

(थ) ''बचना न बचना तो भाग्य के अधीन है, परन्तु आप आज्ञा दें तो एक प्रयास करके मैं भी देख लूं। मालिक की स्वीकृति पा कर्मचन्दजी दूगड़ ने कौनसा प्रयास किया?

आचार्यश्री मघवागणी – 21

प्र.2 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्य में दीजिए। 5

(क) आचार्य मघवा के शासनकाल में 'षटमासिक' तप किस किसने कब व किसके आगार पर किया?

(ख) मुनि मघवा को चार कौन–कौनसी बख्शीशें कहाँ दी गईं?

(ग) मुनि मघवा 'मातृ ऋण से मुक्त' किस प्रकार हुए?

प्र.3 कोई एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए – 6

(क) महाराणा का आगमन घटना प्रसंग लिखें।

(ख) मघवागणी के साहित्य चर्या का वर्णन करते हुए उनके समग्र साहित्य का नामोल्लेख करें।

प्र.4 घटना प्रसंगों द्वारा सिद्ध करें कि मघवागणी के जीवन से संबंधित विविध प्रसंग उनकी

जीवनी के अनेक नये कोणों का उद्‌घाटन करने वाले हैं। 'अथवा' मघवागणी के युवाचार्य काल का वर्णन करते हुए स्पष्ट करें कि जयाचार्य के मुखर श्रम के साथ युवाचार्यश्री की मूक सेवा का भी अभिनंदनीय सहभाग रहा। 10

आचार्यश्री माणकगणी – 17

प्र.5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए। 5

(क) मघवागणी ने युवाचार्य माणलालजी को अन्तिम समय में क्या–क्या शिक्षाएँ प्रदान कीं?

(ख) रूग्णावस्था में डालगणी की किन तीन व्यक्तियों ने क्या–क्या सेवा की?

(ग) सायंकालीन प्रार्थना किसने प्रारम्भ की, वह बन्द क्यों हुई, और पुनः किसने प्रारम्भ की?

प्र.6 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए – 12

(क) माणकगणी के अंतिम चातुर्मास काल के घटनाक्रम का वर्णन करते हुए स्पष्ट करें कि संघ अनुशास्ता रहित क्यों हुआ?

(ख) सिद्ध करें कि आचार्य मघवागणी की मुनि माणकलालजी पर पहले से ही कृपादृष्टि थी।

(ग) जयाचार्य ने बालक माणक की दीक्षा के लिए लाला लिछमणदासजी को प्रेरित कर सारी असमंजताओं के तार किस प्रकार तोड़े? स्पष्ट करें।

आचार्यश्री डालचन्दजी – 21

प्र.7 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए – 5

(क) ''कहने के लिए भी भाजन देखना पड़ता है'' यह कथन किसने, किसको और क्यों कहे?

(ख) आचार्य डालगणी ने भावी व्यवस्था के बाद उल्लास के उस अवसर पर किन–किन साधु–साध्वियों को पुरस्कृत किया?

(ग) सिद्ध करें कि आचार्यश्री डालगणी को हर कार्य सुव्यवस्थित व सफाई पूर्ण पसंद था।

प्र.8 कोई एक प्रश्न का 100 से 150 शब्दों में उत्तर दीजिए। 6

(क) ''धनी बनने के लिए'' यह घटना प्रसंग लिखें।

(ख) ''धर्मशाला में चोरी'' वाला घटना प्रसंग लिखें।

प्र.9 डालगणी को ''कच्छ का पूज्य'' क्यों कहा जाता था? 'अथवा' डालगणी के जीवन में घटित विविध प्रसंग उनके व्यक्तित्त्व की अनेक विशेषताओं पर प्रकाश ड़ालते हैं। स्पष्ट करें। 10

तुलसी प्रबोध – 21

प्र10 किन्हीं दो पद्यों को भावार्थ सहित लिखें – 12

(क) ''अंतरंग संघर्ष'' वाला पद्य लिखें। (ख) ''आचार्य पद'' वाला पद्य लिखें।

(ग) ''सांप छछूंदर गति'' वाला पद्य लिखें। (घ) प्रथम प्रथम.....अद्‌भुत इकरार हो।।

प्र11 किन्हीं तीन पद्यों की पूर्ति करें। 9

(क) तिक्खूत्तो.....तेराद्वार हो।। (ख) ''चम्पक की दीक्षा'' वाला पद्य लिखें।

(ग) ''तुलसी के दो त्याग'' वाला पद्य लिखें। (घ) ''मां वंदना की दीक्षा वाल पद्य लिखें ।

तेरापंथ प्रबोध – 9

प्र12 किन्हीं तीन पद्यों की पूर्ति करें। 9

(क) ''भादूड़ी तेरस आई है'' गीत वाला पद्य लिखें।

(ख) ''जाग्रत धर्म हमारा, जीवित धर्म हमारा'' वाला पद्य लिखें।

(ग) ''स्वामीजी थांरी साधना री मेरु सी ऊँचाई'' वाला पद्य लिखें।

(घ) ''प्रज्ञाचक्षु रा प्रेरक हृदयोद्‌गार'' वाला पद्य लिखें।

(ड.) ''पंचम स्वर्गाधिक वैभव'' वाला पद्य लिखें।